AASTHA SHIKSHA KENDRA

SCHOOL BASED ACTIVITIES

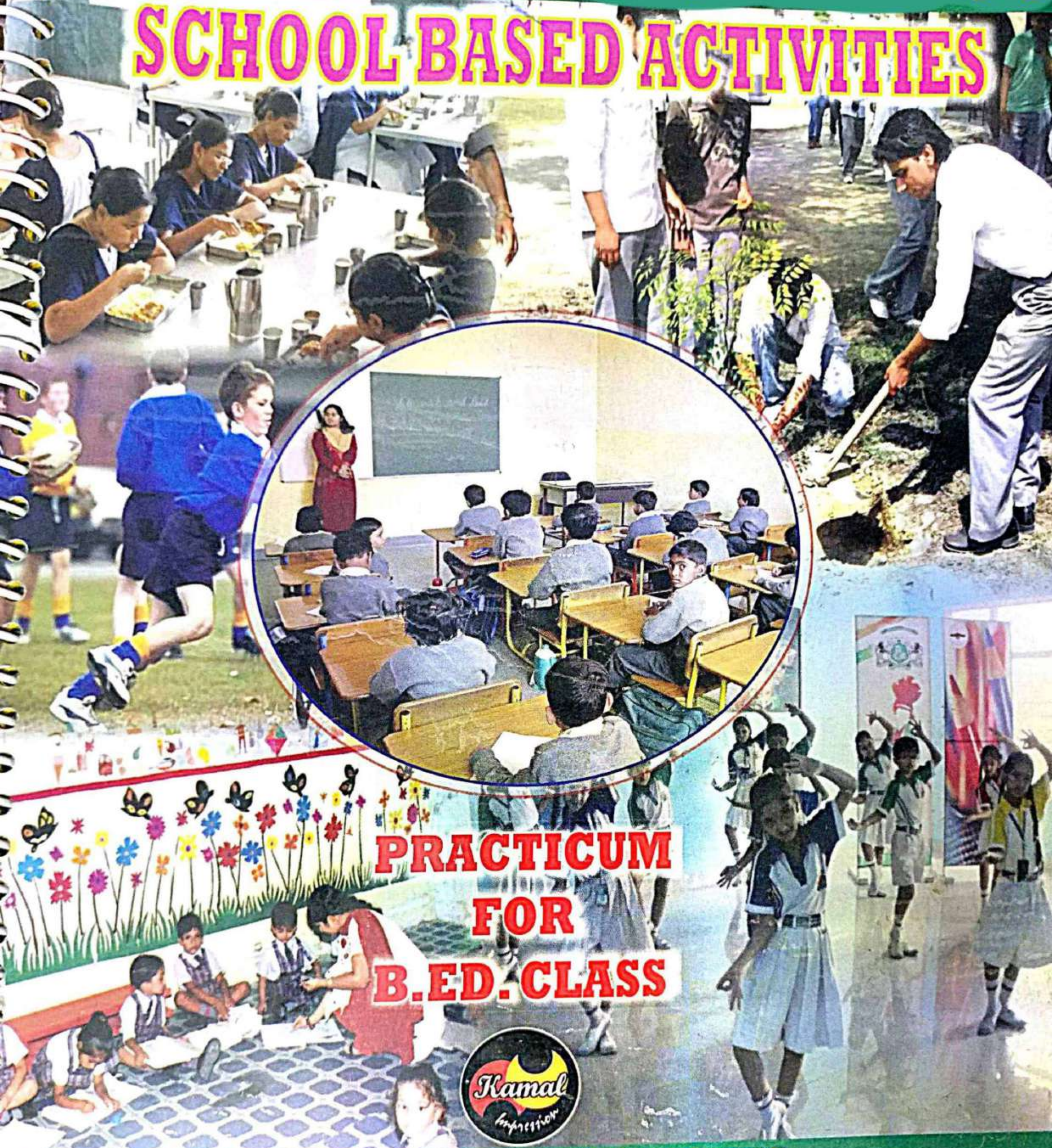

PRACTICUM FOR B.ED. CLASS

KAMAL PAPER PRODUCTS
CHAR KHAMBA CHOWK, MODEL TOWN, ROHTAK M : 92152-10639
E-mail : kamalpaperproducts2013@gmail.com

INDEX

Name : Bobby Sm... Roll No. 1401 University Roll No. 3104218

Title :

Sr. No.	Topic	Page No.	Date	Teacher's Sign Remarks
1	INTRODUCTION of Evaluation			
2	Types of evaluation			
3	CCE			
4	Achievement Test			
5	Pre-Achievement Test			
6	Post Achievement Test			
7	learning material (5)			
8	Meaning of school			
9	Addressing the School			
10	School-Profile			
11	maintenance of Attendance			
12	School Time Table			
13	School Activi (Cultural			
14	School Activities			
15	School REPORT			

Continuous and Comprehensive Evaluation
निरंतर तथा व्यापक मूल्यांकन

Continuous Evaluation :→

Meaning :- इसमे विद्यार्थियों का मूल्यांकन पूरे वर्ष भर या नियमित रूप से अल्पावधि के अन्तराल पर चलता रहता है। इसके अन्तर्गत शिक्षण प्रक्रिया की जांच की जाती है।

Scope :→
1. जिन शैक्षिक संस्थाओं में थोड़े-थोड़े अन्तराल पर मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है।
2. जहाँ आन्तरिक मूल्यांकन व्यवस्था प्रभावपूर्ण व सन्तोषजनक नहीं होती है।
3. जहां शिक्षा संस्थान का क्षेत्र व्यापक एवं विस्तृत होता है तथा अनेकों विभागों का मूल्यांकन करना पड़ता है।

purpose of Continuous Evaluaction

1. पूरे हो चुके रिकॉर्ड को चैक करना :→

निरंतर मूल्यांकन का मुख्य उद्देश्य संस्था के सभी रिकार्डों की पूरी तरह से जांच करना होता है, क्योंकि यह वर्ष पर्यन्त चलता रहता है।

2. भविष्य के लिए नियोजन :→

इसका उद्देश्य रिकार्डों की पूरी तरह जाँच करने के बाद उनसे ऐसी योजनाएँ बनाना जिससे भविष्य मे किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े

3. अशुद्धियों को शीघ्र प्रकट करना :- इसका उद्देश्य रिकार्ड की पूरी तरह जाँच करने के बाद उनसे ऐसी योजनाएँ बनाना जिससे भविष्य में किसी प्रकार की कठिनाई का सामना न करना पड़े।

4. निरन्तर मूल्यांकन द्वारा प्रगति की रिपोर्ट प्रदर्शित करना।

5. शिक्षण-अधिगम से सम्बन्धित मूल्यांकन सुझाव देना।

Comprehensive Evelution

Meaning:- यह वर्ष के अन्त में किया जाता है, जब सारी शिक्षण-क्रिया समाप्त हो जाती है। यह उन संस्थाओं के लिए उपयोगी है, जहाँ किये गये अध्यापन कार्य सीमित होते हैं।

Features:- (1) विस्तृत मूल्यांकन वर्ष की समाप्ति पर ही किया जाता है। (2) मूल्यांकन का कार्य एक ही निरन्तर सत्र में करके पूरा किया जाता है।

Purpose:- (1) To check the allround develepment of the students.

2. To make some important decisions related to institutions.

3. To improve the teaching - learning process.

4. To make policies regarding curriculum activities.

5. To make plan for the students for their allround develepment.

University Roll No. .... Page No:................

Problems of continuous and Comprehensive Evaluation

1. **खर्चीली:-** यह एक अत्यन्त खर्चीली प्रणाली है जो छोटी संस्थाओं के बजट के अनुकूल नहीं हो सकती।

2. **कार्य अस्त-व्यस्त होना:->** समय-समय पर मूल्यांकन करने से छात्रों का दैनिक अध्यापन कार्य प्रभावित होता है।

3. **नीरसता:->** मूल्यांकन का कार्य यंत्रवत हो जाता है। कार्य में नीरसता उत्पन्न हो जाती है, क्योंकि मूल्यांकन कर्ता यह जानते हैं कि वर्ष पूरा होने में अभी समय है।

4. **अस्वास्थ्यकर संबंध:-** बार-बार मूल्यांकन करने से छात्रों एवं अध्यापकों के बीच अस्वास्थ्यकर संबंध उत्पन्न होने की अधिक सम्भावना बनी रहती है।

Suggestions for improving quality of learning:-

1. **आकस्मिक जांच:-** मूल्यांकनकर्त्ता को तिथि व समय की सूचना दिए बिना आकस्मिक जाँच करनी चाहिए।

2. **संक्षिप्त समीक्षा:-** मूल्यांकन का कार्य आरम्भ करने से पूर्व पिछले मूल्यांकन के निष्कर्षों की समीक्षा कर लेनी चाहिए।

3. **एक ही बैठक में कार्य पूरा करना:-** किसी एक विशेष व्यवहार की जाँच का कार्य जहाँ तक सम्भव हो, एक ही बैठक में पूरा कर लेना चाहिए।

4. **विशेष चिन्हों का प्रयोग** :- दुबारा लिखे गए अंको की जांच करते समय विशेष चिन्हों का प्रयोग करना चाहिए।

5. **अध्यापकों में परिवर्तन** :- मूल्यांकन का कार्य भिन्न-भिन्न अध्यापकों द्वारा करना चाहिए ताकि अध्यापक एवं छात्र मिल कर पक्षपात न करें।

Introduction of scheme of CCE in Haryana :-

हरियाणा सरकार द्वारा भी मूल्यांकन प्रणाली में सुधार हेतु कई तरह की नीतियाँ निर्धारित की गई हैं ताकि बच्चों की निरन्तर प्रगति को बढ़ावा मिल सके परीक्षा को सत्र के दो भागों में बांट दिया गया है। अब साल के अंत मे तो परीक्षा होती है लेकिन सैमेस्टर प्रणाली द्वारा मध्य मे भी परीक्षाएं ली जाती हैं। हरियाणा सरकार ने निरन्तर एवं विस्तृत दोनो प्रकार की मूल्यांकन प्रणाली को ध्यान में रखकर बच्चों के सर्वांगीण विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है।

Operational issues for enhancing learning achievement of Students :-

सरकार द्वारा अपनाई गई निरन्तर एवं विस्तृत मूल्यांकन प्रणाली ने शिक्षण-अधिगम के स्तर में सुधार किया है। क्योंकि इस मूल्यांकन प्रणाली के द्वारा जहां शिक्षकों ने अपनी शिक्षण विधियों को विद्यार्थियों के स्तर अर्थात उनके मानसिक स्तर के अनुसार परिवर्तित किया है वहां विद्यार्थी भी अपने मूल्यांकन के प्रति सचेत हो गए हैं और अपना सर्वांगीण विकास करने में सफलता प्राप्त कर रहे हैं।

उपलब्धि परीक्षण

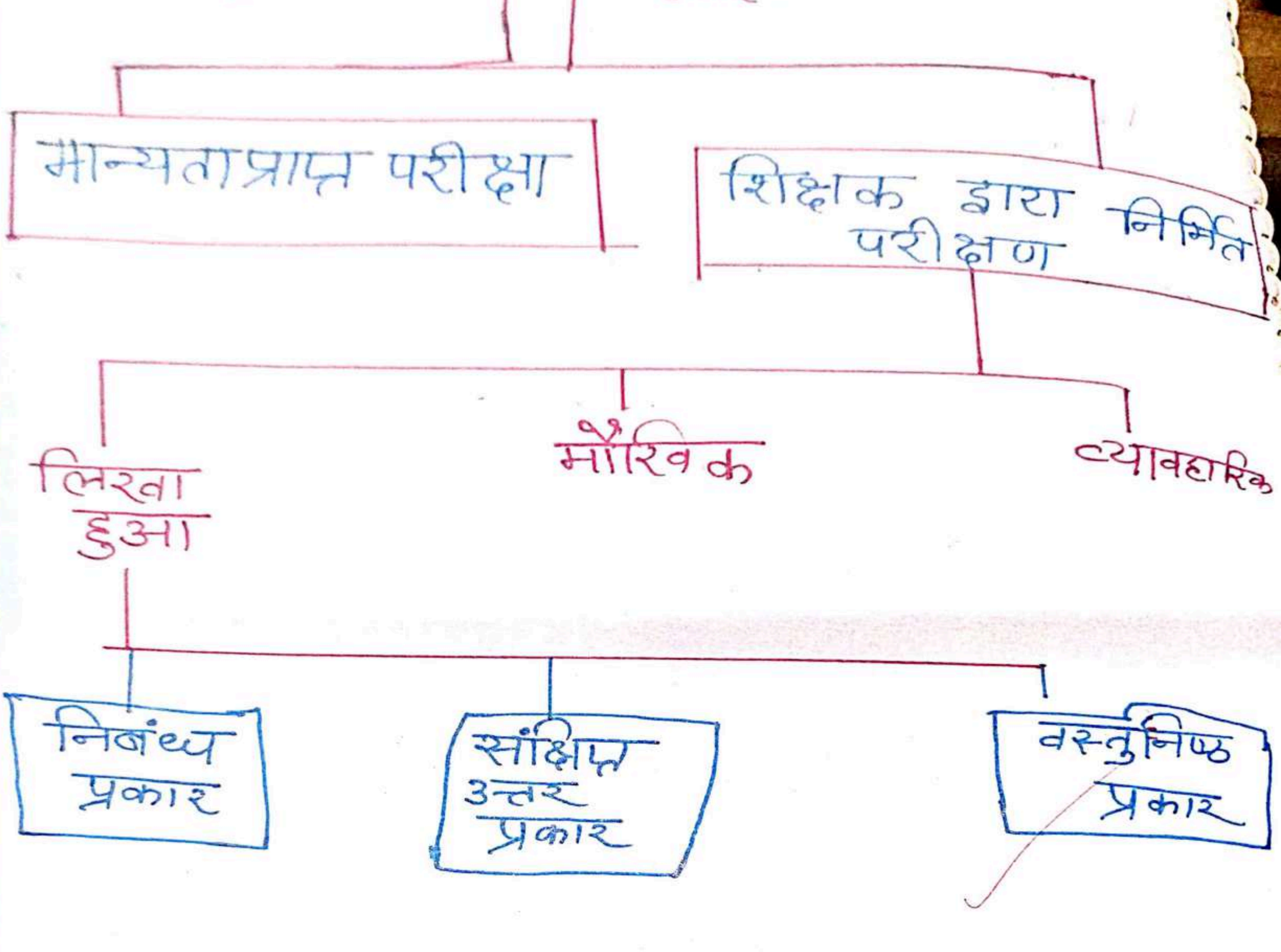
मान्यताप्राप्त परीक्षा
शिक्षक द्वारा निर्मित परीक्षण
लिखा हुआ
मौखिक
व्यावहारिक
निबंध प्रकार
संक्षिप्त उत्तर प्रकार
वस्तुनिष्ठ प्रकार

University Roll No. .... Page No:................

Definition of Achievement test :-
उपलब्धि परीक्षण की परिभाषा

उपलब्धि परीक्षण मूल्यांकन का एक माध्यम है जिसके द्वारा छात्रों के ज्ञान की परीक्षा की जाती हैं। कौन-सा छात्र किस विषय में कितना ज्ञान प्राप्त किया यह ज्ञात करना ही उपलब्धि परीक्षण का उद्देश्य है। उपलब्धि परीक्षण वे परीक्षाएँ हैं जिनकी सहायता से विद्यालय में पढ़ाये जाने वाले विषयों और सिखाई जाने वाली कुशलताओं में छात्रों की सफलता या उपलब्धि का ज्ञान प्राप्त किया जाता है

मनोवैज्ञानिकों ने निम्नलिखित प्रकार से परिभाषित :-

"गैरीसन" व अन्य के अनुसार :- "निष्पत्ति परीक्षा बालक की वर्तमान योग्यता या किसी विशिष्ट विषय के क्षेत्र में, उसके ज्ञान की सीमा का मापना करती है।

इबेल (Ebel) :- उपलब्धि परीक्षण वह है जो किसी छात्र के द्वारा अर्जित ज्ञान या कौशलों में निपुणता का मापन करने के लिए बनाया जाता है।

उपलब्धि परीक्षण के उद्देश्य :-

1. विद्यार्थियों की विषयगत पाठ्यक्रम की उपलब्धि की जाँच करना
2. अध्यापकों के शिक्षण कौशल की जाँच करना।
3. समस्या के निराकरण में सहायता प्रदान करना।
4. शिक्षण विधियों की सफलता का आकलन करना।
5. कक्षा में विद्यार्थियों को प्रगति प्रदान करना।

उपलब्धि के प्रकार

- मानकीकृत
- आध्यापक निर्मित

उपलब्धि परीक्षाणों का महत्व

- अध्यापक तथा अध्यापन पद्धति
- निम्नतम कार्य स्तर की जाँच करना।
- निदान
- शैक्षिक संस्थाओं के स्तर
- निर्देशन
- चयन
- पाठ्यक्रम की उपयुक्तता के निर्धारण एवं संशोधन।
- अध्ययन व सीखने के लिए प्रेरित
- वर्गीकरण और पदोन्नति

Pre Achievement Test.....

ACHIEVEMENT TEST
SUBJECT - Sanskrit
CLASS -

Name - ________
Rollno - ________

Mark's ____

सामान्य निर्देश : —(1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
(2) प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(3) प्रत्येक प्रश्नों के अंक पाँच हैं।

खण्ड - 'क' अपठित अवबोधनम् :

प्र०1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए - (5)

धर्म अर्थ: कामः मोक्ष च एते चतुर्विधः पुरुषार्थाः सन्ति। संसार जन धर्म अर्थ कामे च लिप्तः भूत्वा आचरणं करोति। मोक्षः चतुर्थः पुरुषार्थः सामान्यतया मनुष्य धर्म - अर्थ - कामान् त्रीन् पुरुषार्थान् सम्यक्रूपेण अनुभूय मोक्षस्य अधिकारी भवति। मोक्षे नाम त्रिविध - दुखेभ्यः सर्वथा मुक्ति निर्वाणम् मोक्षस्य अपरः पर्याय: आस्ति। यदा मानवस्य सकलाः कामनाः शान्ताः भवन्ति सः मोक्षम् प्राप्नोति।

क) केवल एक पद में उत्तर दीजिए -

(i) चतुर्थः पुरुषार्थः कः अस्ति ?
उ० धर्म अर्थ: कामः मोक्ष च।

(ii) मोक्षस्य अधिकारी कः भवति ?
उ०

(iii) मनुष्यः कदा मोक्षं प्राप्नोति ?
उ० -

(iv) किम् अनुभूय मनुष्यः मोक्षस्य अधिकारी भवति ?
उ०

(v) 'अनुभूय' इति पदे कः उपसर्गः अस्ति ?
(i) अन - अ ✓ (ii) ब - भू (iii) स - क्त्वा (iv) द - ल्यप्

2. सन्धिं / सन्धिच्छेदं / संयोगं वा कुरुत । 1×5 = 5

(i) तत्र + एव = तत्रैव

(ii) समानमपि = समान + अपि

(iii) सप्तैताः = सप्त + ऐताः

(iv) अल्पमेव = अल्प + एव

(v) सर्वमेव = सर्व + एव

3. मञ्जूषातः अव्ययपदं चित्वा वाक्यानि पूरयत । 1×5 = 5

सदा, बहि, दूरं, तावत, तदा

1. यदाद्शवादनं भवति ___तदा___ छात्राः विद्यालयं गच्छन्ति ।
2. सूर्यः पूर्वदिशायां ___सदा___ उदेति ।
3. सच्चयावत्पश्यति ___बहि___ सिंहपद्धतिः गुहायां प्रविष्टा दृश्यते ।
4. शृगालः गुहायाः ___दूरं___ आसीत् ।
5. शृगालः अपि ततः ___तावत्___ पलायमानः अपठत् ।

4. अङ्कानां कृते मञ्जूषातः चित्वा उचितं पदं पूरयत – (5)

पञ्चाशत्, सप्तविंशतिः, त्रयस्त्रिंशत्, अशीतिः, त्रयः

72 ___सप्तविंशति___ 80 ___अशीतिः___

50 ___पञ्चाशत्___ 33 ___त्रयस्त्रिंशत्___

3 ___त्रयः___

University Roll No. .... Page No:................

उपलब्धि परीक्षण की उपयोगिता :-

1. उपलब्धि परीक्षण के परिणाम से छात्र को अध्ययन करने की प्रेरणा प्राप्त होती है।
2. उपलब्धि परीक्षण के द्वारा छात्रों के मानसिक स्तर का अनुमान लगाया जा सकता है।
3. परीक्षाफल से अर्जित आकड़ो के आधार पर पाठ्यक्रम में बदलाव किया जा सकता है।
4. वर्तमान परीक्षा प्रणाली की बुराइयों के निराकरण में सहायता मिलती है।

5.

उपलब्धि परीक्षण की विशेषताएँ :-

1. उपलब्धि परीक्षण का उद्देश्य निश्चित होना चाहिए।
2. धन, समय व व्यक्ति के दृष्टिकोण में मितव्ययी होना चाहिए।
3. पाठ्यक्रम के सभी क्षेत्रों को सन्तुलित प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।
4. परीक्षण विभेदकारी होना चाहिए जो निम्न व श्रेष्ठ बालकों में भेद कर सके।

उपलब्धि परीक्षणों का शिक्षा में महत्व एवं उपयोग :-

1. - व्यावसायिक निर्देशन में सहायक।
2. - भावी अध्ययन में सहायक।

Performance Of Students In Achievement Test

S.N.	Mark obtisen	classification	Name & Sure of Student			
			Aditi Sharma	Akash	Ananya	Devendra
1.	25	Very Good				
2.	20 - 23	Good				
3.	17 - 20	Above Average				
4.	12 - 17	Average		13		
5.	9 - 12	Below Average	11		12	
6.	0 - 9	Poor				7

3- परामर्श में महत्व ।
4- छात्रों की कठिनाइयों का निदान करने में सहायक,
5- शिक्षकों को परामर्श देने में सहायक ।
6- संरक्षकों को परामर्श देने में सहायक ।
7- वैयक्तिक सहायता
8- छात्रों की उन्नति में सहायक ।
9- प्रेरणा देने में सहायक ।
10- पाठ्यक्रम में सुधार के लिए आवश्यक ।
11- बौद्धिक योग्यता का परीक्षण ।

Post Achievement test

ACHIEVEMENT TEST
SUBJECT - Sanskrit
CLASS -

Name -   Mark's ____

Roll ON -

सामान्य निर्देश :- 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रश्न-पत्र को ध्यानपूर्वक प्रश्नो के उत्तर दीजिए।
3- प्रत्येक प्रश्नों के अंक 5 हैं।

1. अधोलिखितपदयोः सन्धिं कृत्वा लिखत -   1×5 = 5

पदस्य + अस्य = पदास्य
भानु + उदय = भानूदय
गुरु + उपदेश = गुरूपदेश
लघु + उत्तम = लघूत्तम्
सु + उक्ति = सूक्ति

2. विलोमपदानि योजयत -   1 × 5 = 5

पुरत :	विरक्ति : (4)
स्वकीयम	आगमनम् (5)
भीति :	पृष्ठत : (2)
अनुरक्ति :	परकीयम (1)
गमनम्	साहस : (3)

अधोलिखितेषु सन्धिविच्छेदं रूपं पूरयित्वा सन्धे : नाम अपि लिखत
                                                                        1×5 = 5

i) तत्रैव = तत्र + एव
ii) नदीव = नद + इव
केऽपि = क: + अपि
यद्यपि = यत् + अपि
शयनम = शयन + अम

5. वर्णसंयोजनेनपदंलिखत — 1× 5 = 5

क श् + उ + ल् + क् + अ + म् = शुल्कम्

ख व् + इ + न् + अ + ष् + ट् + अः = विनष्टः

ग द् + ऋ + ष् + ट् + व् + आ = दृष्ट्वा

घ भ् + ऊ + त् + व् + आ = भूत्वा

ङ. ब् + आ + ल् + अ + क् + अः = बालकः

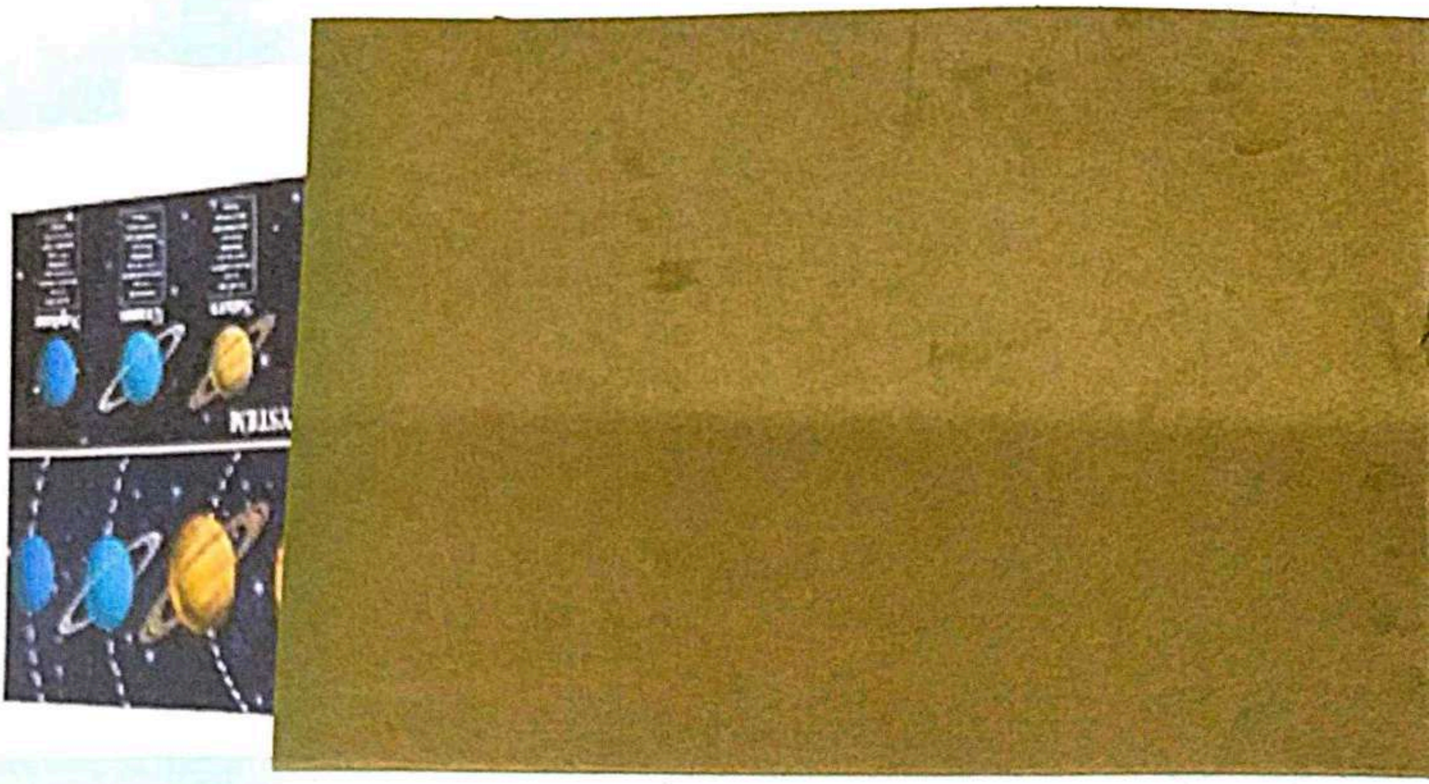

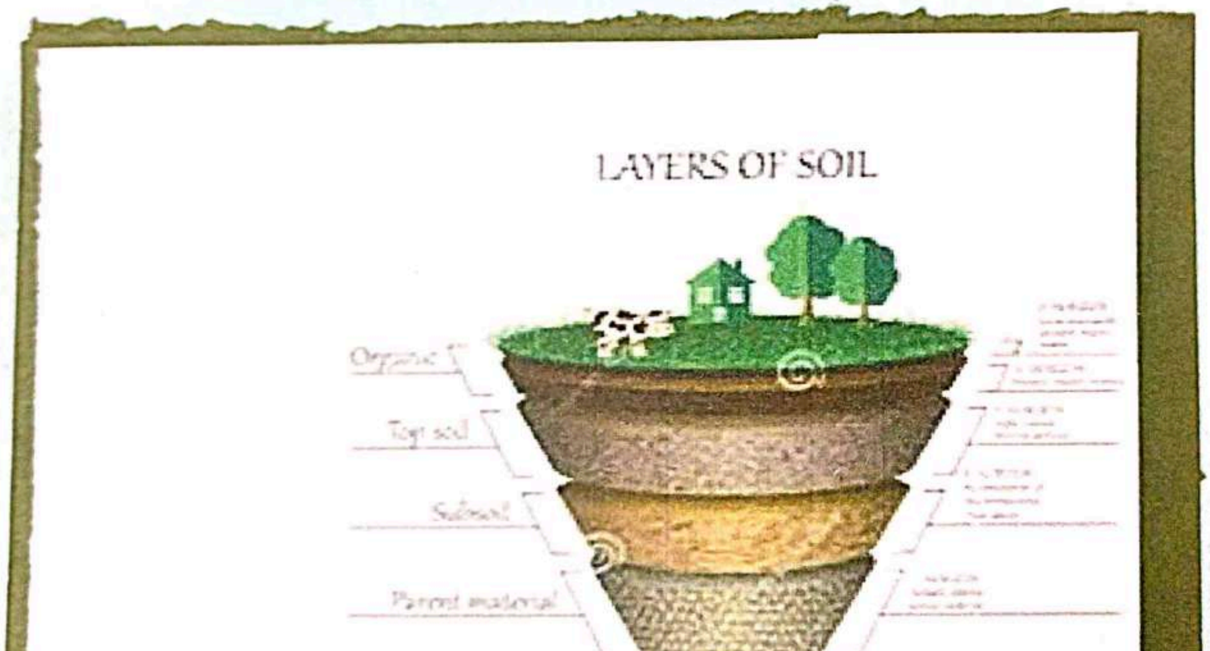
LAYERS OF SOIL
Organic
Top soil
Subsoil
Parent material
Bedrock

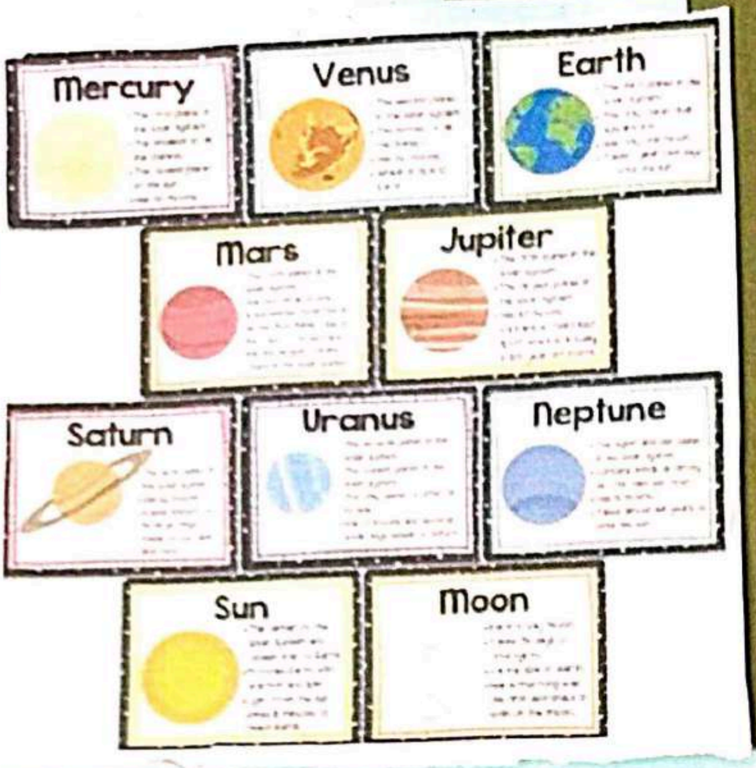
Mercury
Venus
Earth
Mars
Jupiter
Saturn
Uranus
Neptune
Sun
Moon

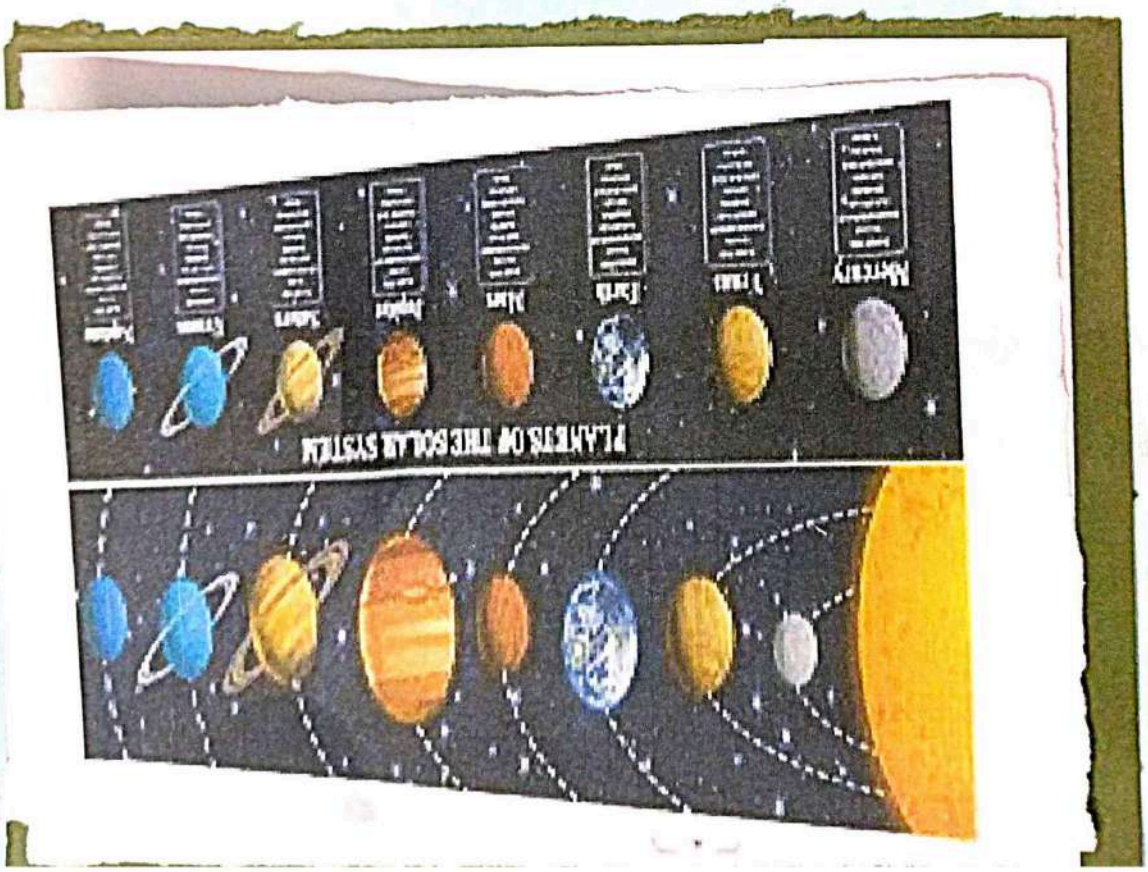

University Roll No. .... Page No.................

Learning Material (शिक्षक सहायक सामग्री) :-

परिभाषा :-

1. एलविन स्ट्रांग के अनुसार :- सहायक सामग्री के अंतर्गत उन सभी सामग्री को सम्मिलित किया जाता हैं। जिसकी सहायता से छात्रों की पाठ में रुचि बनी रहती हैं। तथा वे उसे सरलतापूर्वक समझते हुए अधिगम के उद्देश्य को प्राप्त कर लेते हैं।

2. डेण्ड के अनुसार :- सहायक सामग्री वह सामग्री है, जो कक्षा में या अन्य शिक्षण परिस्थितियों में लिखित या बोली गई पाठ्य सामग्री को समझने सहायता प्रदान करती हैं।

3. बर्टन :- शिक्षण सामग्री, वह संवेदीय पदार्थ या काल्पनिक वस्तुएं हैं जो अधिगम को प्रारंभ एवं प्रेरित करती है तथा उसे पुनर्बलन प्रदान करती हैं।

शिक्षण सहायक सामग्री का महत्व :-

1. ये विद्यार्थी को पुनर्बलन प्रदान करती हैं।
2. ये विद्यार्थी में वैज्ञानिक दृष्टिकोण को बढ़ावा देती हैं।
3. ये कक्षा मे अनुशासन बनाये रखती है, क्योंकि ये बच्चों मे रुचि पैदा करती हैं।

शिक्षण- अधिगम सामग्री

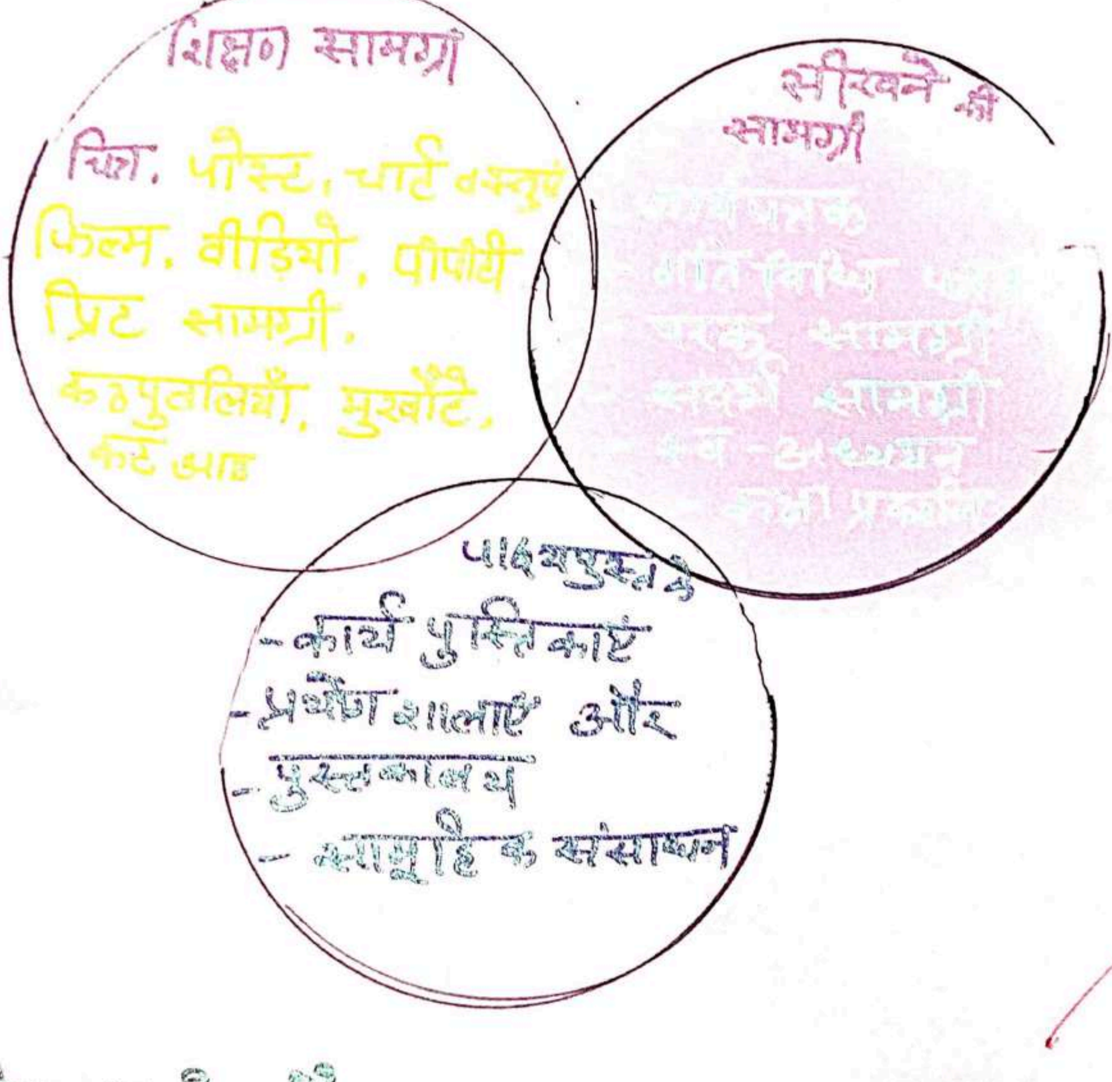

शिक्षण के कौशल :- हस्त चित्रण
- संचार कौशल
- लिखावट
- फोटोग्राफी
- ग्राफिक्स
- वीडियो रिकॉर्डिंग

4. ये पठन - पाठन में नवीनता लाती हैं।
5. ये रटने की प्रवृत्ति को कम करती हैं।
6. सीखने में अपेक्षाकृत कम समय लगता है। प्राप्त ज्ञान स्थायी होता है।
7. शिक्षक सामग्री से अभिप्रेरणा मिलती है।
8. शिक्षक प्रक्रिया में क्रियाशीलता बनी रहती है।
9. कक्षा नियोजन की प्रक्रिया सरल हो जाती है।
10. बच्चों को एक - दूसरे से विचार - विमर्श का अवसर मिलता है।
11. कक्षा में नियमित उपस्थिति बढ़ जाती है।
12. नया प्रवेश पाये छात्र कक्षा में जल्दी घुल - मिल जाते हैं।

About School Internship

Title Date
Page No.

विद्यालय का अर्थ

स्कूल शब्द की उत्पत्ति 'Skohla' या Skhola' नामक शब्द से हुई हैं। जिसका अर्थ है - अवकाश। विद्यालय का स्पष्टीकरण करते हुए 'ए० एफ० लीच' ने लिखा हैं - वाद - विवाद या वार्ता का स्थान। एथेन्स के युवक अवकाश के समय को खेल-कूद, व्यायाम व युद्ध के प्रशिक्षण मे बिताते थे। धीरे-धीरे दर्शन व उच्च कक्षाओं के स्थान पर स्कूलो मे बदल दिया गया। एकेडमी के सुन्दर उद्यानो मैं व्यतीत किए जाने वाले अवकाश के माध्यम से विद्यालयों का विकास हुआ।

विद्यालय अथवा शिक्षा संस्थान का सीधा सम्बन्ध शिक्षा प्रदान करने से हैं। पाठशाला नामक संस्था का मात्र उद्देश्य शिक्षा प्रदान करना ही हैं। पाठशाला वास्तव में शिक्षण की एक मुख्य औपचारिक संस्था हैं। विद्यालयों की स्थापना सभ्यता के विकास के साथ-साथ हुई। विद्यालयों के विकास से पूर्व शिक्षा घर पर होती थी। विद्यालयों मे नियमित रूप से शिक्षण की व्यवस्था होती हैं। पाठ्यक्रम व शिक्षण के नियम एंव काल पूर्वनिर्धारित होते हैं।

विद्यालय भवन का अर्थ व परिभाषा :-

(1) रॉस द्वारा दी गई परिभाषा :-

"विद्यालय वे संस्थाएँ है, जिसको सभ्य मनुष्य द्वारा इस ध्येय से स्थापित किया जाता है, कि समाज में

Title Date
Page No.

सुव्यवस्थित व योग्य बालकों की तैयारी में सहायता मिल सकें।

(२) जॉन ड्यूवी – "विद्यालय एक ऐसा विशिष्ट वातावरण है, जहाँ जीवन के कुछ गुणों और कुछ विशेष प्रकार की क्रियाओं तथा व्यवसायों की शिक्षा इस उद्देश्य से दी जाती है, कि बालक का विकास वांछित दिशा में हो।

विद्यालय की संरचना

विद्यालय का निर्माण भौतिक और मानव संसाधनों द्वारा होता है। प्रथम भौतिक संसाधन में विद्यालय भवन तथा मानव संसाधन में कार्यवत, शैक्षिक, अशैक्षिक कर्मचारी आदि आते हैं।

विद्यालय भवन

विद्यालय भवन में निम्नलिखित भवन होना आवश्यक है-

- मुख्यशाला भवन एवं इसके अन्य विषयों के विभागीय कक्ष।
- पुस्तकालय एवं संचालन।
- छात्रावास एवं प्रयोगशाला।
- खेल का मैदान – हॉकी वॉलीबॉल, फुटबाल, क्रिकेट, बास्केट बॉल, टेनिस आदि।
- शाला, उद्यान, बगीचे, लॉन।

MORNING ASSEMBLY......

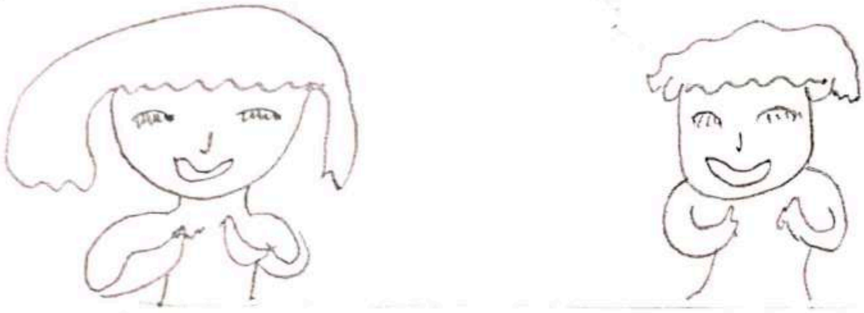

Title Date
Page No.

- कृषि कार्य।
- रंगशाला।
- शिक्षकों, प्रधानाध्यापक व सहकारी कर्मचारियों का निवास।
- तैरने के लिए जलाशय।

विद्यालय भवन के मुख्य कक्ष

1. आचार्य कक्ष
2. विद्यालय भवन
3. आगतुंक व्यतीन भवन
4. अध्यापक कक्ष
5. आलेख स्टोर कक्ष
6. निर्देशन एवं परामर्श कक्ष
7. परीक्षा कक्ष
8. विश्राम कक्ष - छात्र छात्राओं के लिए।
9. खेल कक्ष
10. स्काउटिंग एन. सी. सी. कक्ष
11. क्रॉफ्ट वर्कशॉप
12. कला भवन
13. विज्ञान प्रयोगशालाएं
14. संग्रहालय
15. विभिन्न विषयों के लिए - विशिष्ट कक्ष - इतिहास
    - गणित
    - विज्ञान

Title ______ Date ______
______ Page No. ______

विद्यालय भवन

हमने जिस विद्यालय में प्रशिक्षण कार्य किया वह ~~[illegible]~~कान्त में बाहर स्थित हैं। यह दो हज़ार वर्ग फीट जमीन पर बना है, इसकी स्थापना ______ में हुई थी। विद्यालय अवस्थिति बिल्कुल सटीक स्थान पर है। विद्यालय का आकार 'L' आकार का है। विद्यालय भवन की इमारत दो मंजिला बनी है। विद्यालय भवन में आन्तरिक में बड़ा-सा खेल का मैदान है, जहाँ लोकल टूर्नामेंट का मैच होता रहता है। सर्वप्रथम गेट से अन्दर आते ही प्रधानाचार्य कक्ष है, उसके पश्चात शिक्षक कक्षा है, उसके पश्चात कार्यालय है, विद्यालय भवन की दूसरी मंजिल पर भी कक्षाएं संचलित की जाती हैं। विद्यालय में साइकिल स्टैण्ड है, शिक्षकों के लिए अलग से साइकिल स्टैण्ड है। विद्यालय के चारों तरफ छायादार वृक्ष लगे हैं। विद्यालय के एक तरफ कैन्टीन भी है। छत पर पुस्तकालय कक्ष भी है, जहाँ छात्र-छात्राएं शान्तिपूर्वक पढ़ते हैं। विद्यालय एक ऐसी जगह स्थित है, जहां चारो ओर शान्ति का वातावरण है।

Attendance Register...

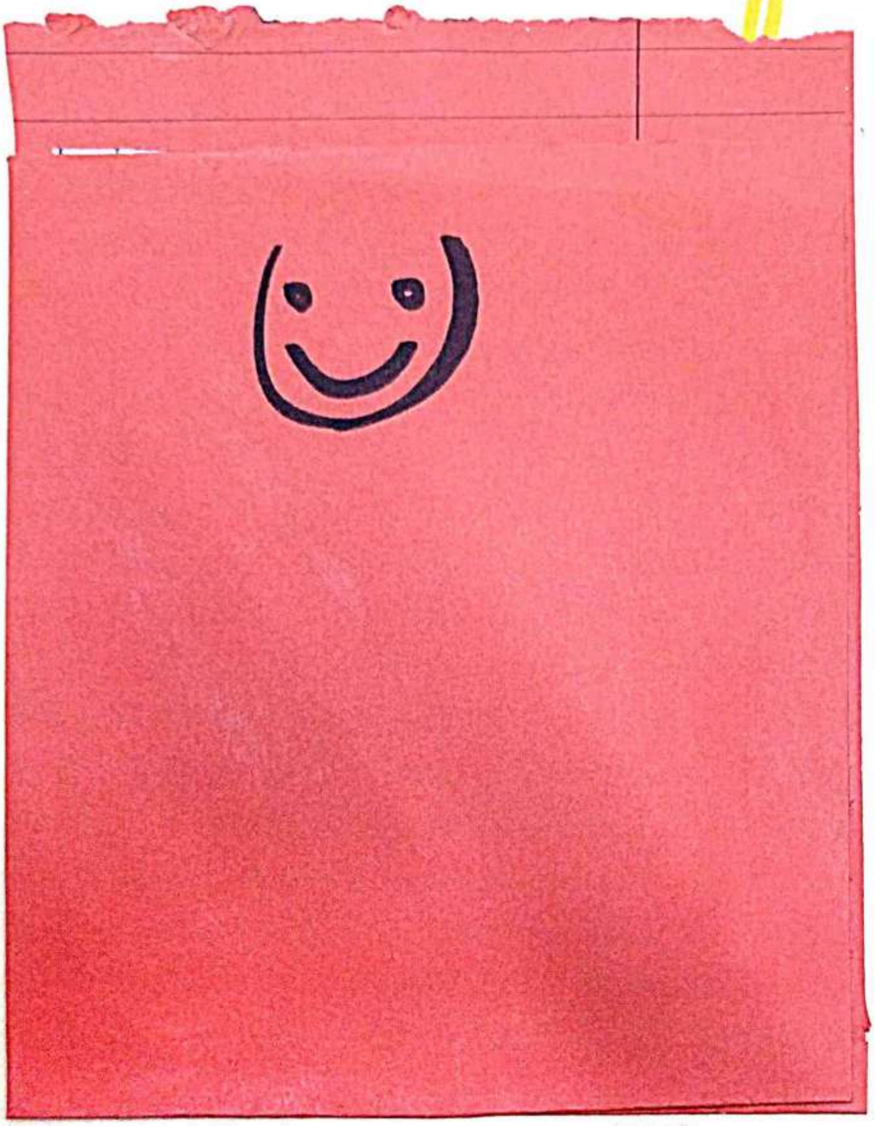

ATTENDANCE CHART

School: Adarsh Senior Secondery School.

Class: VIII th Subject: Social Science

Name & Roll	20	21	22	23	24	25	(26)	(27)	28	29	30	1	2	(3)	4	5	6	7	8	(9)
1 Aditi Sharma	P	P	P	P	.	.	↓		P	P	P	.	P	↓	P	P	P	.	.	
2 Aditya Gupta	P	.	.	P	P	P	↓	G	P	P	P	.	P		P	P	P	P	P	S
3 Akash Patel	P	P	P	P	P	P			P	P	P	P	P	↓	.	.	.	P	P	
4. Ananya Patel	P	.	.	P	P	.	S	U	P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	E
5. Arjun Sharma	P	P	P	P	P	P			P	P	P	P	P		P	P	P	P	P	
6. Aarti Desai	P	P	P	P	P	.	U	K	.	.	P	P	P	S	P	.	P	P	P	C
7 Devendra	.	P	P	P	P	P			.	.	.	P	P		P	P	P	P	P	
8. Divya Shingh	.	P	P	P	P	P	N	U	P	P	.	-	.		P	P	P	P	P	O
9. Gaurav Verma	P	P	P	.	.	.			P	P	P	P	P	U	P	P	P	P	P	
10 Harsh Kumar	P	P	P	P	P	P	D	N	P	.	.	P	P		.	.	.	P	P	N
11 Ishan Joshi	P	.	.	P	P	P			.	.	.	P	P		P	P	P	P	P	
12 Jaya Mehta	P	P	P	P	P	P	H	A	P	P	P	P	P	N	P	P	P	P	P	S
13 Karan Shah	P	.	.	P	P	P			P	P	P	P	P		P	P	.	P	P	
14. Kavita Jain	P	.	.	P	P	P	Y	M	.	.	P	P	P	D	P	P	P	P	P	A
15 Manish Tiwari	P	.	.	P	P	P			P	P	P	P	P		P	P	.	.	P	
16 Meera	P	P	P	P	P	P	|	K	.	.	P	P	P		P	P	P	P	P	T
17 Mohan Singh	P	P	P	P	P	P	|		P	P	P	P	P	A	.	P	P	P	P	
18 Neha	P	.	P	P	P	P	|	J	P	P	P	.	.	|	P	P	P	P	P	U
19 Nikkil Reddy	P	P	P	P	P	P	|		P	P	P	P	P		.	.	.	P	P	
20 Nidhi	.	P	P	P	P	P	↓	A	P	P	.	P	P	Y	P	P	.	.	P	
21 Pooja	.	P	P	P	P	P			P	P	P	P	-	|	.	.	P	P	P	R
22. Prakash Das	.	P	P	P	P	P		N	P	P	P	P	P	|	P	P	.	.	.	
23 Priya Mathur	.	P	P	.	-	.			P	P	P	P	P	|	P	P	P	P	P	D
24. Rohit	P	P	P	P	P	P		T	P	P	P	P	P	|	P	P	P	P	P	
25 Rahul	P	.	P	P	P	P			P	P	P	P	P	↓	P	P	.	.	.	A
26 Ritu Verma	P	.	P	P	P	P		J		.	-	P	P		P	P	P	P	P	Y
27 Sakshi	.	:	P	P	P	P				P	P	P	P		P	P	P	P	P	
28 Tanvi Kapoor	.	.	P	P	P	P				P	.	.	P		.	P	P	P	P	

Title Date
Page No.

विद्यालय भवन के भाग

प्रधानाचार्य कक्ष :-

विद्यालय भवन मे एक प्रधानाचार्य कक्ष है, जो विद्यालय के लिए अति आवश्यक होता है, विद्यालय भवन का कोई भी स्वरूप हो, उसमे प्रधानाचार्य कक्ष होता है हमारे विद्यालय मे प्रधानाचार्य कक्ष ऐसे स्थान पर है, जहां से बाहर से आने वाले और अन्दर से आने वाले को देख सकते है, विद्यालय मे प्रधानाचार्य का बड़ा तथा पूर्ण रूप से व्यवस्थित है।

विद्यालय कार्यालय :-

प्रधानाचार्य कक्षा के समीप ही विद्यालय का कार्यालय है। कार्यालय में सभी आवश्यक समान व्यवस्थित रूप से रखा है। इस फाइलें अलमारियाँ, कम्प्यूटर, प्रिंटर सभी व्यवस्थित रखे है।

सभागार कक्ष :-

सभी विद्यालय में एक सभागार कक्ष होना आवश्यक है, यदि कोई कार्य भी या कोई विशेष प्रकार की सूचना दी जाए, तो सभी छात्र व शिक्षक एक साथ उपस्थित हो सके। हमारे विद्यालय मे भी एक सभागार है, जिसमे विशेष अवसर पर सभाएँ आयोजित की है।

Name of the School Adarsh Senior Secondry School.

Class : VIII th

TIME-TABLE

DAY	I	II	III	IV	V	VI	VII	VIII
MON	Science	S.S.T	ENG.	Game	Hindi	Maths	I.T	ART
TUE	"	"	"	"	"	"	G.K/ME/RES	LIB
WED	"	"	"	ART	"	"	SKT	Scienc
THU	"	"	"	T.T	"	"	"	"
FRI	"	"	"	"	"	"	G.K/ME/RES	"
SAT								

Signature

Title ____ Date ____
Page No. ____

कक्षा भवन :-

विद्यालय में छात्रों की संख्या के अनुसार कक्षा भवन की व्यवस्था है, एक कमरे में 40-50 छात्रों की बैठने की व्यवस्था है, बैठने के लिए फर्नीचर, समुचित मात्रा में उपलब्ध है। कक्षा में खिड़की, पंखे, अलमारी, ब्लैक बोर्ड आदि की भी उचित व्यवस्था है। प्रत्येक कक्षा में एक decoration बोर्ड लगा है, जिस पर सूचनाएँ लगी है।

शिक्षक कक्षा :-

प्रत्येक विद्यालय में एक शिक्षक कक्षा होना आवश्यक है। उस कक्षा में शिक्षक अन्य जरुरी कार्य करते है। हमारे विद्यालय में एक बड़ा सा शिक्षक कक्षा है। उस कक्षा में सबकी अपनी-अपनी टेबल कुर्सी है, इस कक्षा में प्रत्येक शिक्षक को एक अलमारी का स्थान दिया गया है, जिसमे वे अपना जरुरी समान रखते है। पुस्तकें व अन्य साधन रखने के लिए पर्याप्त मात्रा में सुविधाएँ उपलब्ध है।

पुस्तकालय :-

हमारे विद्यालय का पुस्तकालय एक शान्त वातावरण में स्थित है। इस पुस्तकालय बच्चो के लिए अनेक शिक्षाप्रद पुस्तके मौजूद है। छात्र वहाँ शान्तिपूर्वक बैठकर अपनी मनपसन्द पुस्तक पढ़ सकते है।

3/11/22
Monday

S M J P S

Title ______ Date ______
______ Page No. ______

स्कूल कैन्टीन :- हमारे विद्यालय में एक कैन्टीन बनी हुई है। जो केवल लंच के समय ही खुलती है। ये कैन्टीन खाना न लाने वाले बच्चों के लिए उपयोगी है।

पानी की व्यवस्था :- हमारे विद्यालय में छात्रों शिक्षकों व सभी के पीने के लिए उचित पानी की व्यवस्था है, गर्मियों में ठंडे पानी की व्यवस्था है।

खेलकूद का मैदान :- विद्यालय में बच्चों के खेलने के लिए उचित बड़ा सा मैदान है इसी मैदान में प्रार्थना भी करायी जाती है।

नोटिस बोर्ड :- हमारे विद्यालय में एक नोटिस बोर्ड की भी व्यस्था है. जहाँ पर छात्र छात्राओं के लिए आवश्यक सूचनाएँ लिखी जाती है। साथ ही साथ एक ध्येय वाक्य बोर्ड भी है, जिसमें प्रतिदिन एक आदर्श वाक्य लिखा जाता है, नोटिस बोर्ड विद्यालय गेट के पास ही स्थित है,

विद्यालय बिल्डिंग :- हमारे विद्यालय की इमारत दो मंजिल की है। वह बिल्डिंग 'L' आकार में बनी हुई है। सफेद रंग से पुताई है। कक्षाओं के अन्दर बैंगनी रंग है।

सांस्कृतिक गतिविधि

सांस्कृतिक गतिविधियों का अर्थ हैं:-

किसी व्यक्ति की बुद्धि, रूचि, और कौशल का प्रशिक्षण और परिष्कार। सांस्कृतिक गतिविधियों मे नाटको और ओपेरा की नाटकीय प्रस्तुति के रूप मे परिभाषित थिएटर को बढावा देना और ललित कलाओं, विशेष रूप में वास्तुकला, चित्तकला, मूर्तिकला संगीत और साहित्य को बढावा देना शामिल होगा।

दीपावली:- दीपावली को दीपों का त्योहार या दीपोत्सव भी कहा जाता हैं, दिवाली भारत के सबसे लोकप्रिय और महत्वपूर्ण त्यौहारो मे से एक है। यह त्योंहार भगवान राम की याद मे मनाया जाता है जो चौदह वर्ष के वनवास के बाद अयोध्या लौटे थे, इस अवसर पर हिंदु अनुयायी मिट्टी के दीपक जलाते हैं और अपने घरो को रंगोली से सजाते हैं।

होली:- हिंदू धर्म का एक प्रमुख त्योहार हैं, जिसे फागुन मास के पूर्णिमा के दिन मनाया जाता हैं। इस त्योहार मे लोग आपस मे रंग फेकते हैं, पिचकारी से पानी उड़ाते हैं और मिठाई खाते हैं,

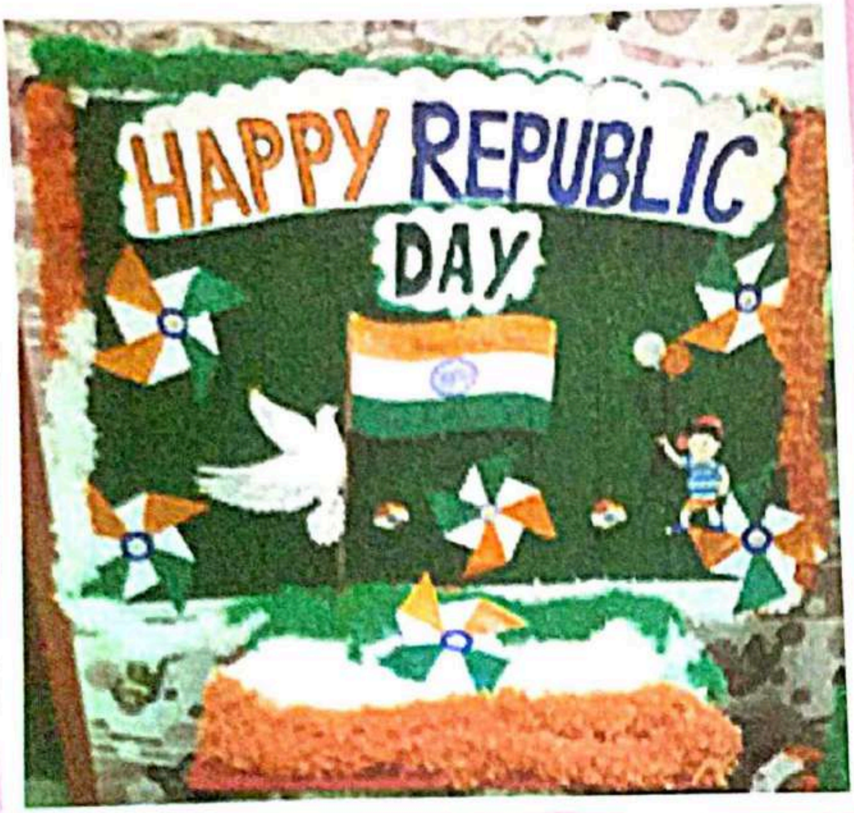
HAPPY REPUBLIC
DAY

ASHMAH

Title ______________________ Date ________

______________________ Page No. ________

Merry Christmas :- क्रिसमस क्रिश्चियन समुदाय का सबसे बड़ा और खुशी का त्यौहार है. इस कारण इसे बड़ा दिन भी कहा जाता है।

Rebublic day :- भारत हर साल २६ जनवरी को गणतंत्र दिवस बहुत गर्व और उत्साह के साथ मनाया है। यह ऐसा दिन है जो भारतीय नागरिक के लिए महत्वपूर्ण है, जिस दिन हमारा संविधान लागू हुआ था। आजादी के लगभग 3 साल बाद २६ जनवरी 1950 को हम एक संप्रभु, धर्मनिरपेक्ष, समाजवादी, लोकतांत्रिक गणराज्य बन गए।

Social Activity....

Blood donation :- एक यूनिट रक्त से तीन लोगो की जान बचाई जा सकती है। औसत व्यस्क के शरीर मे लगभग 10 पिंट रक्त होता है। और दान के दौरान, वे एक पिंट देते है। दान के दौरान खोए रक्त की भरपाई करने में शरीर को लगभग २४ - ४8 घंटे लगते है। 18-65 year की age 50 किलोग्राम से अधिक वजन वाले लोग रक्तदान कर सकते है,

HAPPY
LABOUR DAY

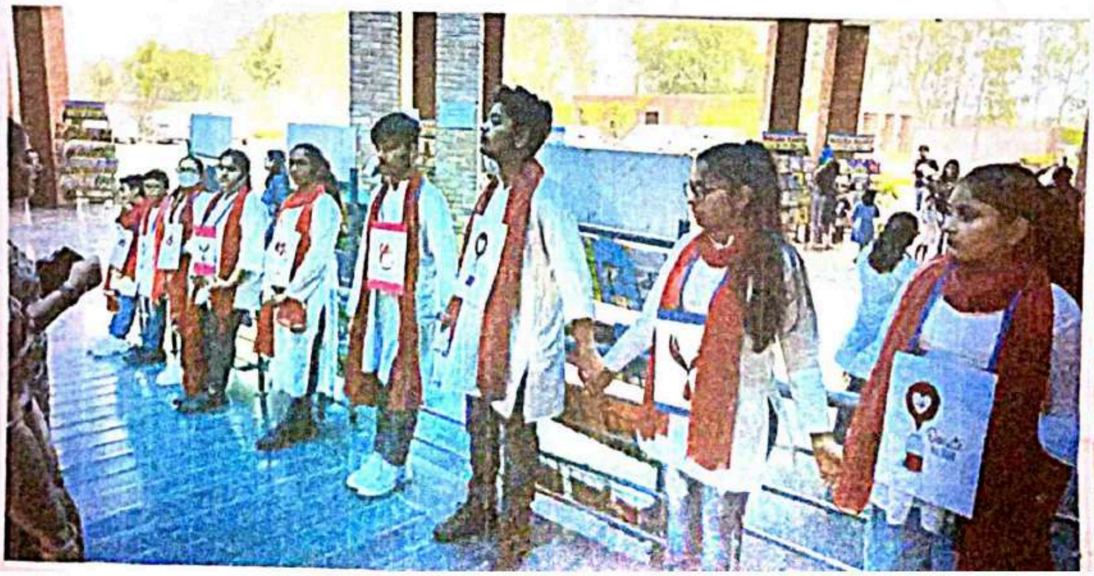

Title Date
Page No.

Swachh bharat abhiyan :-

स्वच्छ भारत अभियान भारतीय सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल हैं। इसका मुख्य उद्देश्य भारत को स्वच्छ बनाना और सफाई के अच्छे प्रथाओ को प्रमोट करना हैं।

Beti bachao beti Padhao :-

देश की बेटियों की सुरक्षा के लिए सहयोग महत्वपूर्ण हैं। संक्षेप में, बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ लड़कियों की सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य सुनिश्चित करने का प्रयास करता हैं। इस पहल की पहुंच देश भर में फैल गई है, जिससे भारत की बेटियों की सुरक्षा और पोषण के लिए जागरूकता और सहयोगात्मक प्रयासों पर बल दिया गया हैं।

University Roll No. .... Page No:................

निष्कर्ष

विद्यालय समाज सेवा का सबसे उपयुक्त माध्यम है। विद्यालय में सभी प्रकार की सुविधाएँ उपलब्ध हैं। कुछ चीज़े नही है, धीरे - धीरे उनका भी आवागमन हो जाएगा सभी शिक्षक उचित स्रोतों का प्रयोग करके अपने शिक्षण उचित कार्य को सफल बनाते हैं। हमे अपने विद्यालय का वातावरण उचित लगा। विद्यालय प्रधानाचार्य जी के कर कमलो द्वारा ही संचालित होता है। यह एक सामाजिक संस्था है। जो ज्ञान के साथ-साथ अनुभव भी प्रदान करता है।

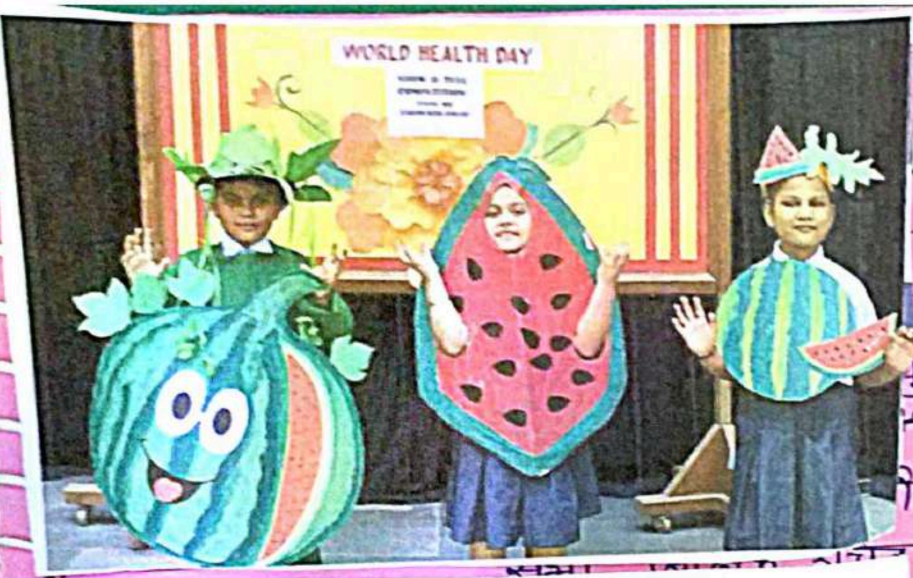
WORLD HEALTH DAY

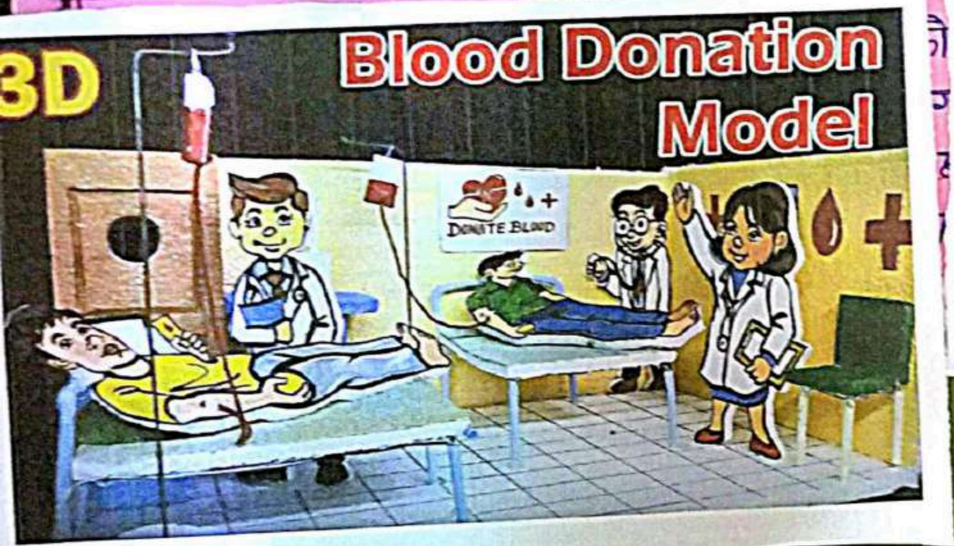
3D
Blood Donation
Model

Swachh
Bharat
Abhiyar
Model

बेटी बचाओ,
बेटी पढ़ाओ
बेटी है तो कल है.

Title ______ Date ______
Page No. ______

इंटर्नशिप विद्यालय का विवरण

विद्यालय का नाम :- आदर्श Sen Sec स्कूल
विद्यालय का पता :- Adarsh se. Sec. School
विद्यालय की स्थापना :- 1999
विद्यालय की मान्यता :-
प्रधानाचार्या का नाम :-
कक्षाओं की संख्या :-
विद्यालय मे शिक्षकों की संख्या :-
चतुर्थ श्रेणी मे कर्मचारियो की संख्या :-
कुल विद्यार्थियों की संख्या :-
अनुशासन प्रमुख अध्यापक का नाम :-
विषय 9th, 10th class - अंग्रेजी, हिन्दी, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर, विज्ञान
विषय 11th, 12th class - Accounts Business Studies, chemistry, computer, science, Eco, English, Hindi, Maths

Facilities
→ Auditerium Room
- Garden Room
- Libarary
- watchman' Room
- Activity Room
- Councelling / Guidance room.
- Indoor Game room
- Kitchen shed / canteen

Interaction :-

The Interaction with the whole school faculty was good. Each and every staff members showed the collaborative attitu

Interaction with Teachers :-

The experience of Interactions with teachers was the experience good. They cooperated with each other in case of any need. They tried to adjust with the teachers in of any requirements the faculty was disciplined.

Interaction with School Helpers :-

The interation with school watman, cleaner, gardener, was nice, They and schould respect towards teachers the immediately fulfiled the requirements of somebody demanded for anything.

Interaction with students :-

The students of Adarsh se. sec. school, were disiciplined they showed respect towards teachers.

ACHIEVEMENT TEST
SUBJECT – Sanskrit
CLASS – 7th

Name – Riya
Roll no –

Mark's ___

सामान्य निर्देश : –(1) सभी प्रश्न अनिवार्य है।
(2) प्रश्न पत्र को ध्यानपूर्वक प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
(3) प्रत्येक प्रश्नों के अंक पाँच हैं।

खण्ड – 'क' अपठित अवबोधनम् –

प्र०1 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर लिखिए – (5)

धर्म अर्थ: काम: मोक्ष च एते चतुर्विधः पुरुषार्था: सन्ति। संसार जन धर्म अर्थ कामे च लिप्त: भूत्वा आचरणं करोति। मोक्ष: चतुर्थ: पुरुषार्थ:। सामान्यतया मनुष्य धर्म - अर्थ - कामान् त्रीन् पुरुषार्थान् सम्यक्रूपेण अनुभूय मोक्षस्य अधिकारी भवति। मोक्षे नाम त्रिविध - दुखेभ्य: सर्वथा मुक्ति। निर्वाणम् मोक्षस्य अपर: पर्याय: आस्ति। यदा मानवस्य सकला: कामना: शान्ता: भवन्ति स: मोक्षम् प्राप्नोति।

क) केवल एक पद में उत्तर दीजिए –

(i) चतुर्थ: पुरुषार्थ: क: आस्ति ?
उ०

(ii) मोक्षस्य अधिकारी क: भवति ?
उ०

(iii) मनुष्य: कदा मोक्षं प्राप्नोति ?
उ०

(iv) किम् अनुभूय मनुष्य: मोक्षस्य अधिकारी भवति ?
उ०

(v) 'अनुभूय' इति पदे क: उपसर्ग आस्ति ?
(i) अन – अ (ii) ब – भू (iii) स – क्त्वा (iv) द – ल्यप्

2 सन्धि / सन्धिच्छेद / संयोग वा कुरुत । 1×5 = 5

(i) तत्र + एव = तत्रैव
(ii) समानमपि = समान + अपि
(iii) सप्तैता: = सत + एता
(iv) अल्पमेव = अल्प + एव
(v) सर्वमेव = सर्व + एव

3. मञ्जूषात: अव्ययपदं चित्वा वाक्यानि पूरयत । 1×5 = 5

सदा, बहि, दूरं, तावत, तदा

1. यदादशावादनं भवति ________ छात्रा: विद्यालयं गच्छन्ति ।
2. सूर्य: पूर्वदिशायां ________ उदेति ।
3. सचयावत्पश्यति ________ सिंहपद्धति: गुहायां प्रविष्टा दृश्यते ।
4. श्रृगाल: गुहाया: ________ आसीत ।
5. श्रृगाल: अपि तत: ________ पलायमान: अपठत ।

4. अङ्कानां कृते मञ्जूषात: चित्वा उचितं पदं पूरयत – (5)

पञ्चाशत (2), सप्तविंशति: (1), त्रयस्त्रिंशत (5), (4) अशीति:, त्रय: (3)

72 ________ 80 ________

50 ________ 33 ________

3 ________

(1)